चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	13-10-23	11	6-8

हकृवि में मशरूम उत्पादन तकनीक पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण सम्पन्न

MUSHROOM TECHNOLOGY LAB

हकृवि के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान में आयोजित तीन दिवसीय प्रशिक्षण के समापन अवसर पर मौजूद वैज्ञानिक व प्रतिभागी।

हिसार, 12 अक्तूबर (विरेन्द्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान में मशरूम उत्पादन तकनीक पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण का समापन हुआ। इस प्रशिक्षण में हरियाणा के हिसार, फतेहाबाद, सिरसा, चरखी दादरी, झज्जर, जींद, व हनुमानगढ़ (राजस्थान) जिलों से आए प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया। इस अवसर पर उपरोक्त संस्थान के सह निदेशक (प्रशिक्षण) डॉ. अशोक कुमार गोदारा ने कहा कि मशरूम एक संतुलित आहार तो है ही इसके अलावा इनमें कई औषधीय गुण भी मौजूद होते है जो मनुष्य को निरोगी बनाने में सहायक होते हैं। मशरूम उत्पादन एक ऐसा व्यवसाय है जिसे कम से कम लागत में शुरू किया जा सकता है और भूमिहीन, शिक्षित एवं अशिक्षित, युवक व युवतियां इसे स्व-रोजगार के रूप में अपनाकर स्वावलंबी बन सकते हैं। मशरूम की विभिन्न प्रजातियों जिनमें सफेद बटन मशरूम, ओयस्टर या ढींगरी, मिल्की या दूधिया मशरूम, धान के पुवाल की मशरूम इत्यादि उगाकर सारा साल मौसम के हिसाब से इसका उत्पादन किया जा सकता है। प्रशिक्षण के संयोजक डॉ. सतीश कुमार ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए मनुष्य के आहार में मशरूम की महता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि मशरूम एक संतुलित आहार है जिसमें प्रोटीन, विटामिन, खनिज लवण आदि भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं। उन्होंने कहा कि मशरूम उत्पादन एक सरल व सस्ता व्यवसाय है जिसे स्त्री व पुरुष दोनों ही कर सकते हैं और अच्छी आमदनी प्राप्त कर सकते हैं। इस प्रशिक्षण में मशरूम प्रसंस्करण जैसे डिब्बाबंदी, आचार, बिस्कुट, पापड़, नग्गेट्स इत्यादि बनाने की विधि पर भी प्रकाश डाला। इस प्रशिक्षण दौरान डॉ. डी.के. शर्मा, डॉ. संदीप भाकर, डॉ. निर्मल कुमार, डॉ. विकाश हुड्डा, डॉ. भूपेन्द्र सिंह, डॉ. राकेश चुघ, डॉ. पवित्रा, डॉ. अमोघवर्षा, डॉ. विकास काम्बोज व डॉ. अनिल वत्स ने मशरूम उत्पादन से संबंधित विषयों पर व्याख्यान दिए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	13-10-23	03	5-6

एचएयू में मशरूम उत्पादन तकनीक पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न

हिसार | एचएयू के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान में मशरूम उत्पादन तकनीक पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण का समापन हुआ। इसमें हरियाणा के हिसार, फतेहाबाद, सिरसा, चरखी-दादरी, झज्जर, जींद व हनुमानगढ़ (राजस्थान) जिलों से आए प्रशिक्षणार्थियों ने हिस्सा लिया। उपरोक्त संस्थान के सह निदेशक (प्रशिक्षण) डॉ. अशोक कुमार गोदारा ने कहा कि मशरूम एक संतुलित आहार तो है ही, इनमें कई औषधीय गुण भी मौजूद होते हैं जो मनुष्य को निरोगी बनाने में सहायक होते हैं। मशरूम उत्पादन एक ऐसा व्यवसाय है जिसे कम से कम लागत में शुरू किया जा सकता है और भूमिहीन, शिक्षित एवं अशिक्षित, युवक व युवतियां इसे स्व-रोजगार के रूप में अपनाकर स्वावलंबी बन सकते हैं। मशरूम की विभिन्न प्रजातियां जिनमें सफेद बटन मशरूम, ओयस्टर या ढींगरी, मिल्की या दूधिया मशरूम, धान के पुवाल की मशरूम आदि उगाकर सारा साल मौसम के हिसाब से इसका उत्पादन किया जा सकता है।

प्रशिक्षण के संयोजक डॉ. सतीश कुमार, इस प्रशिक्षण दौरान डॉ. डी.के. शर्मा, डॉ. संदीप भाकर, डॉ. निर्मल कुमार, डॉ. विकास हुड्डा, डॉ. भूपेन्द्र सिंह, डॉ. राकेश चुघ, डॉ. पवित्रा, डॉ. अमोघवर्षा, डॉ. विकास काम्बोज व डॉ. अनिल वत्स ने मशरूम उत्पादन से संबंधित विषयों पर व्याख्यान दिए।

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	13-10-23	02	08

मशरूम आचार व पापड़ बनाने की विधि सिखाई

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान में मशरूम उत्पादन तकनीक पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण का समापन हुआ। इस प्रशिक्षण में हिसार, फतेहाबाद, सिरसा, चरखी दादरी, झज्जर, जींद, व हनुमानगढ़ (राजस्थान) जिलों से आए प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया।

संस्थान के सह निदेशक (प्रशिक्षण) डॉ. अशोक कुमार गोदारा ने कहा कि सारा साल मौसम के हिसाब से इसका उत्पादन किया जा सकता है। प्रशिक्षण संयोजक डॉ. सतीश कुमार ने मशरूम प्रसंस्करण जैसे डिब्बाबंदी, आचार, बिस्कुट, पापड़ इत्यादि बनाने की विधि पर भी प्रकाश डाला। इस मौके पर डॉ. डीके शर्मा, डॉ. संदीप भाकर, डॉ. निर्मल कुमार, डॉ. विकाश हुड्डा, डॉ. भूपेन्द्र सिंह, डॉ. राकेश चुघ, डॉ. पवित्रा, डॉ. अमोघवर्षा, डॉ. विकास काम्बोज व डॉ. अनिल वत्स मौजूद रहे। संवाद

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	13-10-23	04	7-8

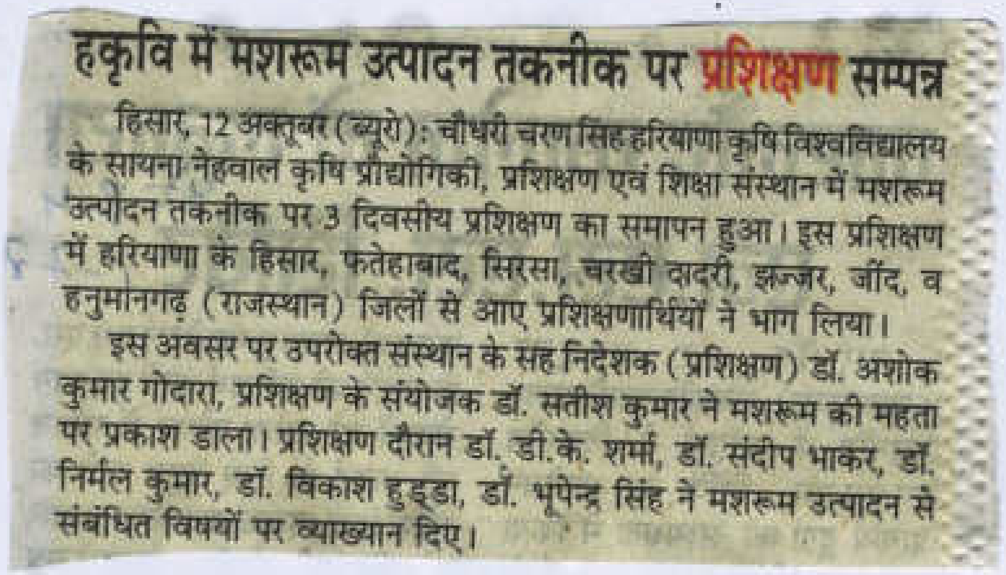

हकृवि में मशरूम उत्पादन तकनीक पर प्रशिक्षण सम्पन्न

हिसार, 12 अक्तूबर (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान में मशरूम उत्पोदन तकनीक पर 3 दिवसीय प्रशिक्षण का समापन हुआ। इस प्रशिक्षण में हरियाणा के हिसार, फतेहाबाद, सिरसा, चरखी दादरी, झज्जर, जींद, व हनुमानगढ़ (राजस्थान) जिलों से आए प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया।

इस अवसर पर उपरोक्त संस्थान के सह निदेशक (प्रशिक्षण) डॉ. अशोक कुमार गोदारा, प्रशिक्षण के संयोजक डॉ. सतीश कुमार ने मशरूम की महता पर प्रकाश डाला। प्रशिक्षण दौरान डॉ. डी.के. शर्मा, डॉ. संदीप भाकर, डॉ. निर्मल कुमार, डॉ. विकाश हुड्डा, डॉ. भूपेन्द्र सिंह ने मशरूम उत्पादन से संबंधित विषयों पर व्याख्यान दिए।

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हिन्दुस्थान समाचार	12.10.23	--	--

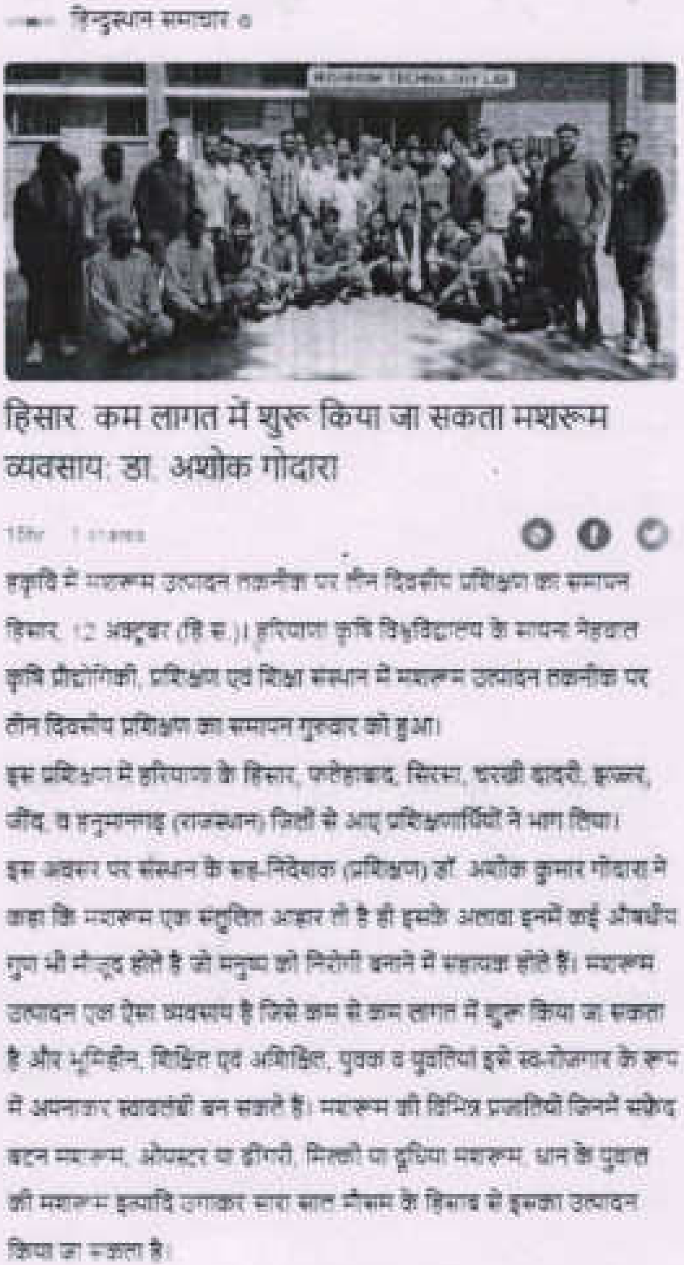

हिन्दुस्थान समाचार ©

हिसार: कम लागत में शुरू किया जा सकता मशरूम व्यवसाय: डा. अशोक गोदारा

15hr 1 shares

हकृवि में मशरूम उत्पादन तकनीक पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण का समापन

हिसार, 12 अक्टूबर (हि.स.)। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान में मशरूम उत्पादन तकनीक पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण का समापन गुरुवार को हुआ।

इस प्रशिक्षण में हरियाणा के हिसार, फतेहाबाद, सिरसा, चरखी दादरी, झज्जर, जींद, व हनुमानगढ़ (राजस्थान) जिलों से आए प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया।

इस अवसर पर संस्थान के सह-निदेशक (प्रशिक्षण) डॉ. अशोक कुमार गोदारा ने कहा कि मशरूम एक संतुलित आहार तो है ही इसके अलावा इनमें कई औषधीय गुण भी मौजूद होते है जो मनुष्य को निरोगी बनाने में सहायक होते हैं। मशरूम उत्पादन एक ऐसा व्यवसाय है जिसे कम से कम लागत में शुरू किया जा सकता है और भूमिहीन, शिक्षित एवं अशिक्षित, युवक व युवतियां इसे स्वरोजगार के रूप में अपनाकर स्वावलंबी बन सकते हैं। मशरूम की विभिन्न प्रजातियों जिनमें सफेद बटन मशरूम, ओयस्टर या ढींगरी, मिल्की या दूधिया मशरूम, धान के पुआल की मशरूम इत्यादि उगाकर सारा साल मौसम के हिसाब से इसका उत्पादन किया जा सकता है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नभ छोर	12.10.23	--	--

मशरूम एक संतुलित आहार, मनुष्य को निरोगी बनाने में सहायक : गोदारा

नभ-छोर न्यूज ▸▸ 12 अक्टूबर

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान में मशरूम उत्पादन तकनीक पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण का समापन हुआ। इस प्रशिक्षण में हिसार, फतेहाबाद, सिरसा, चरखी दादरी, झज्जर, जींद, व हनुमानगढ़ (राजस्थान) जिलों से आए प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया। इस अवसर पर उपरोक्त संस्थान के सह निदेशक डॉ. अशोक कुमार गोदारा ने कहा कि मशरूम एक संतुलित आहार तो है ही इसके अलावा इनमें कई औषधीय गुण भी मौजूद होते है जो मनुष्य को निरोगी बनाने में सहायक होते हैं। मशरूम उत्पादन एक ऐसा व्यवसाय है जिसे कम से कम लागत में शुरू किया जा सकता है और भूमिहीन, शिक्षित एवं अशिक्षित, युवक व युवतियां इसे स्व-रोजगार के रूप में अपनाकर स्वावलंबी बन सकते हैं। प्रशिक्षण के संयोजक डॉ सतीश कुमार ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए मनुष्य के आहार में मशरूम की महता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि मशरूम एक संतुलित आहार है जिसमें प्रोटीन, विटामिन, खनिज लवण आदि भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं। उन्होंने कहा कि मशरूम उत्पादन एक सरल व सस्ता व्यवसाय है जिसे स्त्री व पुरुष दोनों ही कर सकते हैं। इस प्रशिक्षण दौरान डॉ. डीके शर्मा, डॉ. संदीप भाकर, डॉ. निर्मल कुमार, डॉ. विकास हुड्डा, डॉ. भूपेन्द्र सिंह, डॉ. राकेश चुघ, डॉ. पवित्रा, डॉ. अमोघवर्षा, डॉ. विकास काम्बोज व डॉ. अनिल वत्स ने मशरूम उत्पादन से संबंधित विषयों पर व्याख्यान दिए।

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स न्यूज	12.10.23	--	--

सिटीपल्स
हिसार

हिसार-आसपास

हकृवि में मशरूम उत्पादन तकनीक पर प्रशिक्षण का समापन

प्रशिक्षण के समापन अवसर पर मौजूद वैज्ञानिक व प्रतिभागी।

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में मशरूम उत्पादन तकनीक पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण का समापन हुआ। इस प्रशिक्षण में हरियाणा के हिसार, फतेहाबाद, सिरसा, चरखी दादरी, झज्जर, जींद, व हनुमानगढ़ (राजस्थान) जिलों से आए प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया। इस अवसर पर उपरोक्त संस्थान के महानिदेशक (प्रशिक्षण) डॉ. अशोक कुमार गोदारा ने कहा कि मशरूम एक संतुलित आहार तो है ही इसके अलावा इनमें कई औषधीय गुण भी मौजूद होते है जो मनुष्य को निरोगी बनाने में सहायक होते हैं। मशरूम उत्पादन एक ऐसा व्यवसाय है जिसे कम से कम लागत में शुरू किया जा सकता है और भूमिहीन, शिक्षित एवं अशिक्षित, युवक व युवतियां इसे स्व-रोजगार के रूप में अपनाकर स्वावलंबी बन सकते हैं। मशरूम की विभिन्न प्रजातियां जिनमें सफेद बटन मशरूम, ओयस्टर या ढींगरी, मिल्की या दूधिया मशरूम, धान के पुआल की मशरूम इत्यादि उगाकर सारा साल मौसम के हिसाब से इसका उत्पादन किया जा सकता है।

प्रशिक्षण के संयोजक डॉ सतीश कुमार ने कहा कि मशरूम एक संतुलित आहार है जिसमें प्रोटीन, विटामिन, खनिज लवण आदि भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं। इस प्रशिक्षण में मशरूम प्रसंस्करण जैसे डिब्बाबंदी, आचार, बिस्कुट, पापड़, नगेट्स इत्यादि बनाने की विधि पर भी प्रकाश डाला। इस प्रशिक्षण दौरान डॉ. डी.के. शर्मा, डॉ. संदीप भाकर, डॉ. निर्मल कुमार, डॉ. विकाश हुड्डा, डॉ. भूपेन्द्र सिंह, डॉ. राकेश चुघ, डॉ. पवित्रा, डॉ. अमोघवर्षा, डॉ. विकास कम्बोज व डॉ. अनिल कस ने मशरूम उत्पादन से संबंधित विषयों पर व्याख्यान दिए।